Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to complete the construction of broken railway line since 1934 in Supaul district, Bihar.

श्री दिलेश्वर कामैत (सुपौल): महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र, बिहार के सुपौल जिले के अन्तर्गत प्रतापगंज वाया भीमनगर बथनाहा तक मात्र 57 किलोमीटर में से आजादी के पूर्व ब्रिटिश काल में 1893 में मात्र 22 किलोमीटर रेल का निर्माण हुआ था। वर्ष 1934 की बाढ़ तथा भूकम्प से वह रेल लाईन पूरी तरह ध्वस्त हो गयी थी। तब से लेकर आज तक रेल परिचालन बंद है और क्षेत्र के लाखों लोग इस सुविधा से वंचित हैं। अभी तक ध्वस्त रेल लाईन का टुकड़ा ज्यों का त्यों पड़ा हुआ है। इसके लिए जमीन भी एक्वायर करने की आवश्यकता नहीं है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि प्रतापगंज वाया भीमनगर, बथनाहा तक 57 किलोमीटर की दूरी, जो नेपाल सीमा पर अवस्थित है, वह सामरिक दृष्टिकोण से बहुत ही महत्वपूर्ण है। उक्त रेल लाइन का निर्माण कर रेल परिचालन कर कोसी के पिछड़े क्षेत्र को भारत के अन्य भागों से जोड़ा जाए, जिससे उस क्षेत्र का विकास हो सके। माननीय रेलमंत्री महोदय से मिलकर विस्तृत ज्ञापन भी दिनांक 02.08.2019 को समर्पित कर चुका हूँ, किन्तु इस पर अभी तक कारवाई लम्बित है।